

Code No. 5711

Roll No.

SET : B

D. El. Ed. 1st Year Exam., Feb./March – 2023

Proficiency in Sanskrit Language

संस्कृत भाषा में प्रवीणता

(Course Code : DE-111)

(Only for Re-appear Candidates)

[Evening Session]

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 35

समय : 2 घण्टे]

[अधिकतम अंक : 35

सामान्य निर्देश : –

- (i) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 4 तथा प्रश्न 6 हैं।
- (ii) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिये गये कोड नम्बर तथा सेट को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख्य-पृष्ठ पर लिखें।
- (iii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- (iv) उत्तर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़ें।
- (v) उत्तर-पुस्तिका के अतिरिक्त कोई अन्य शीट नहीं मिलेगी। अतः आवश्यकतानुसार ही लिखें और लिखा उत्तर न काटें।
- (vi) परीक्षार्थी अपना रोल नं० प्रश्न-पत्र पर अवश्य लिखें। रोल नं० के अतिरिक्त प्रश्न-पत्र पर अन्य कुछ भी न लिखें और वैकल्पिक प्रश्नों के उत्तरों पर किसी प्रकार का निशान न लगाएँ।
- (vii) कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-पत्र पूर्ण व सही है, परीक्षा के उपरान्त इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

निर्देशाः –

- (क) सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति।
- (ख) लेखः सुस्पष्टः सुवाच्यश्च भवेत्।
- (ग) प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि।
- (घ) प्रश्नसंख्या अवश्यमेव लेखनीया।

5711/(Set : B)

P. T. O.

भाग - 'क'

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु **द्वयोः** प्रश्नयोः व्याख्या कार्या - 2 × 3 = 6
- (क) प्राचीनभारतीयभाषाणां वर्गीकरणे टिप्पणीं लिखत।
 (ख) श्रवणकौशलेन कोऽभिप्रायः ?
 (ग) संस्कृतभाषायाः श्रेण्यसाहित्ये टिप्पणीं कुरुत।
2. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) 'अदर्शनं लोपः' 'सुप्तिङन्तं पदम्' च इत्यनयोः **द्वयोः** सूत्रयोः व्याख्या कार्या।
 (ख) 'हरि' प्रातिपदिकस्य सर्वाणि रूपाणि लिखत।
3. **एकः** प्रश्नः समाधेयः - 1 × 3 = 3
- (क) निरुक्तमधिकृत्य एकां टिप्पणीं लिखत।
 (ख) 'दण्डिकः पदलालित्यम्' इति श्रुतिः समाधेया।
4. **एकः** प्रश्नः करणीयः - 1 × 3 = 3
- (क) वर्तमानकाले व्याकरणशिक्षणं प्रति एकां टिप्पणीं कुरुत।
 (ख) श्लोकोच्चारणविधिना कोऽभिप्रायः ?
5. **एकः** प्रश्नः विशदरूपेण करणीयः - 1 × 5 = 5
- (क) आरण्यकसाहित्ये एकां विशदटिप्पणीं लिखत।
 (ख) महाभारतम् उपजीव्यकाव्यरूपेण स्थापयत।

भाग - 'ख'

6. अधोलिखितानां वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् उत्तराणि देयानि - 15 × 1 = 15
- (क) भाषणकौशल-विषये किम् असंगतम् ?
- (i) मौनम् (ii) सस्वरवाचनम्
 (iii) वार्तालापः संवादश्च (iv) प्रश्नोत्तरम्

- (ख) वाक्य-विन्यासाय को विधिः समुचितोऽस्ति ?
- (i) श्रुतलेखः (ii) अनुलिपिः
(iii) सुलेखः (iv) सर्वे
- (ग) इदमन्धतमः कृत्स्नं जायेत भुवनत्रयम्।
यदि शब्दाह्वयं ज्योतिरासंसारं न दीप्यते॥
- सूक्तिरियं कुतः संकलिता ?
- (i) महाभाष्यात् (ii) ऋग्वेदात्
(iii) काव्यादर्शात् (iv) वाक्यपदीयात्
- (घ) इत्संज्ञा विधायकं सूत्रम् अस्ति -
- (i) तस्य लोपः (ii) अदर्शनं लोपः
(iii) हलन्त्यम् (iv) सुप्तिङन्तं पदम्
- (ङ) कालिदासस्य नाटकमस्ति -
- (i) मालतीमाधवम् (ii) स्वप्नवासवदत्तम्
(iii) मालविकाग्निमित्रम् (iv) मृच्छकटिकम्
- (च) संस्कृतभाषाया 'पितृ' प्रातिपदिकं फारसीभाषायाम् अस्ति -
- (i) पिदर (ii) फिदर
(iii) पिथरः (iv) पितर
- (छ) 'लृकारस्य' उच्चारणस्थानमस्ति -
- (i) तालुः (ii) दन्तः
(iii) मूर्धा (iv) कण्ठः
- (ज) 'कात्स्न्यम्' इत्यस्य पदच्छेदः अस्ति -
- (i) क् + आ + र् + त् + स् + न् + य् + अ + म्
(ii) क् + आ + र् + अ + त् + स् + न् + य् + म्
(iii) क् + ऋ + आ + त् + स् + न् + य् + म्
(iv) कोऽपि न

- (झ) 'अस्' धातोः लृट्लकारस्य प्रथमपुरुषे द्विवचने रूपं स्यात् -
- | | |
|----------------|-----------------|
| (i) भविष्यति | (ii) असिष्यतः |
| (iii) भविष्यतः | (iv) असिष्यन्ति |
- (ञ) 'रमा' इत्यस्य प्रातिपदिकस्य सप्तमीविभक्तौ एकवचने रूपं स्यात् -
- | | |
|-------------|--------------|
| (i) रमे | (ii) रमायाम् |
| (iii) रमायै | (iv) रमायाः |
- (ट) 'वेदाङ्गसाहित्ये' नास्ति -
- | | |
|--------------|----------------|
| (i) निरुक्त | (ii) व्याकरणम् |
| (iii) शिक्षा | (iv) अथर्ववेदः |
- (ठ) 'तव + लृकारः' इत्यस्य सन्धिपदं स्यात् -
- | | |
|----------------|--------------|
| (i) तवल्कारः | (ii) तवृकारः |
| (iii) तवर्कारः | (iv) तलृकारः |
- (ड) पद्य-शिक्षणे सम्मिलितः अस्ति -
- | | |
|---------------------|---------------------|
| (i) प्रस्तावना | (ii) प्रस्तुतीकरणम् |
| (iii) उद्देश्यकथनम् | (iv) सर्वे |
- (ढ) नाट्यशास्त्रमस्ति -
- | | |
|------------------|---------------|
| (i) भवभूतेः | (ii) भरतमुनेः |
| (iii) कालिदासस्य | (iv) भारवेः |
- (ण) कालिदासस्य प्रसिद्धः अलंकारः अस्ति -
- | | |
|-----------------|----------------------|
| (i) उत्प्रेक्षा | (ii) रूपकम् |
| (iii) उपमा | (iv) अर्थान्तरन्यासः |